Issue 01; Rs. 2 05/02/2011

तुबारि

पं ग वा ड़ि मा सि क प त्रि का

तुबारि संपादकीय टीम

♦सोब पांगेइ मेह्णु जे तुबारि संपादकीय टीमे कनारा जुकारू मुबारक।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति जे गल्ति कड़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेइ मेह्णु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुइ सक्ति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस सोभि पांगि मेह्णु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ि अन्तर) लिख कइ छपां जे हैन्नदे दिए।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

बोउए प्यार

यक ग्राँ, यक मेह्णु दुइ कुआ थिये। तेनि बछ केंठा कुआ अपु बोउ जे बोता, “तें धन अन्तर जे में बांट असी तेस मेन्ने दिए । तोऊं तेन मेह्णु अपु सोब बग, धन सम्पति त रुपेइ अपु दुइ गभुर बुछ बांटी। सुआ दिन नेओथ भो, से कुआ अपु बग बेछ-बूछ कइ सोब धन सम्पति किठेरा त यक दुर देश नशी गा। तेनी तठि तास खेलण, गंजा, अराख पीण त होरे गंदे काम कइ कइ अपु सोब रुपेइ मुकाई छाड़े। जपल तसे रुपेयि ठटि मखि गे, तखेईं तठि यक बड़ा अकाल पिया। क्यों कि तेन अपु सोभ रुपेइ इरू खर्चा कीओ थिआ, त से खाण जे कोई बि मेह्णु कुछ न देन्तेथ। जपल ढुके सुआ रोज भोई गे त तस घेरा एण लगे। त तेनि सोचु ‘इरु बिश कइ कोई फइदा नेई, कुछ न कुछ त जरुर करुं लौतु। ना त अउं इठ ढुका मरी घेन्ता। पता, से तेस देश यक सहुंकारे गी नौखरि करुं जे गा। तेनि सहुंकारे से पुहाल बणाई छाड़ा त तस ढाडुड़ जेई लंघा। ढुके तस सुआ रोज भोई गो थिए त तेनि कोये मन, जे अड़दा गोउर खान्ते तसे बोलि अपु पेट भरता। पता जपल से अपुं चेता पुठ एइ गा त से अपफ जे बोलुण लगा कि, में बोउए नौखरि रज्जि खई के बि कति रौठि इरु बचति त अउं इठ ढुके मरण लगो सा। अभेईं अउं अपु बोउ केईं घेन्ता त तस जे बोता“ बोउआ, मेईं परमेश्वरे त तें अगर पाप किओ सा। त अब अउं तें कुआ बोलुणे लायक नेई रिहो। त मोउ तु अपु नौखरे ईं रख। तौं से खड़िआ त अपुं बोउ केईं घेई गा। से दुरे इ थिया, तेसे बोउ तेस हेर कइ पेछाणि गा । तेस अपुं कोये हाल हेर कइ तस पुठ दा अई गई। से दौड़ दी कइ गा त अपुं कुआ जुए गड़े मिआ त फोकड़या। त से कुआ अपु बोउ जे बोता, “बोउआ, मेईं परमेश्वरे त तें अगर पाप किओ सा। त अभेईं अउं तें कुआ बोलुणे लायक नेई रिहो। पर तसे बोउ नौखर जे बोता “झट पट यक अब्बल ईं झीणे आण कइ एस डबाण दे त अन्गुलि जुए यक सुने अंगुठि त खुरि जुए बुय्टे लाण दे। तौं घेई कइ यक जबर ईं बकरा कटा । अस धाम कते त जाठ लान्ते। क्यों कि में यक कुआ मारि गो थिआ, से फिर जी गा। से गाड़ि गो थिआ त दुबारि मी गा।” तौं से सोभ मीं कई खुशी जुए जाठ लाण लगे।

कर्शण बिमारी बारे सूचना

गेउर जिमदार के धन भो। से असि सोब जे दुध, देईं, छा त घीउ देन्ते। हें ट्यारे गेउर कुछ बिमार भोई घेएल त असी सुआ दुखि भुन्ते। कर्शण बिमार यक ईं बिमारी सि जेसे बलि ठटि जिमदार परशाण भुन्ते। इ बिमारी इन्हि महेनि पांगेई अन्तर सुआ बदि घेन्ति त एसे बलि सुआ गोड़े बि मर घेन्ते । त तुबारि टीमे सोचु कि कर्शण बिमारी बारे कुछ सूचना दिउँ।

कर्शण बिमारी जे चिकित्सा विज्ञान अन्तर *बॅसिल्लरि हिमोग्लोबिनयुरिया (Bacillary hemoglobinuria)* त अंग्रेजि अंतर *रेड़ वाटर डिसिज* “Red Water Disease ” बोते । इसे *रेड़ वाटर डिसिज* इस लिए बोते क्यों कि से गेउंठ जुओइ लेउ एई घेन्तु । कर्शण बिमारी “*क्लोस्ट्रिडुइम हिमोलइटिकम*” (Clostriduim hemolyticum) नाओएँ निके निके लोलुड़ जुओइ एइ घेन्ते। ऐ बिमारि यक साल केआं खड़िआ उमरे गौड़े, चूर त डेढुड़ जे लग घेन्ति। (पशु पालन विभाग, पंजाब कृषि विश्व विद्यालय, लुधियाना, भारत) १९९८ अन्तर लुदियाना ११० डेढुड़ जुओइ परिक्षण कइ के पता ६० डेढुड़ जुओइ इस बिमारि असि, बोलो थिउ। **कर्शण बिमारि किं एन्ति:-** कर्शण बिमारी गेउरे गेउन्ठ, मल, मासुं त हलोटे

कर्शण बिमारी बारे सूचना । Cont...

जुओइ जन, पोण, घासे बइ बढ़िआ गेउर बि बिमार भोई घेन्ते। कर्शण बिमारी लोलुड्डु ऑनुण (लोलुड़ त ऑणुण टी जे ना केतु) जन, पोण, घास अन्तर सुआ साल जींते रेंहते। एसे मतलब, कर्शण बिमारी गौड़े मल जपल बग छते, तठि पुरा घास लोलुड़े ऑणुणु बइ भरी घेन्ते। पता जपल बढ़िआ गेउर से घास खांते त कर्शण बिमारी एणे सम्भावना भोई घेन्ति। लोलुड़ ऑणुणु, घास त पोण जुओए गेउरु पेट अन्तर घेइ कइ लेहु जोइ मी कयि काजा अन्तर बिश घेन्तु। जपल ओक्सिजन कम मेति तोउँ से ऑणुण, लोलुड़ भोइ कइ सुआ भोइ घेन्ते। इ कर्शण बिमारी लोलुड़ जपल काजा त लाल लेहु कोशिका खायि छाँति त गेउंठे रंग लाल भुइ घेन्ता। जतु लेहु कोशिका कम भुन्तु तत कम ओक्सिजन लेहु मेति। तपल लोलुड़ सुआ भोइ कइ गौड़े मार छति। **कर्शण बिमारी लक्षण:-** कर्शण बिमारी ज्यादातर यक साले कियाँ खड़िया गौड़े जे एन्ति। बिमारी षुरु भुणे टेंम गौडा, घास सुसुर न खांता, दमाँ लगता, इनम्बयि, ओम्बयि घेन्जे मरजि न कति, बिमेरी बोलि दुखि मुँह केतु। कर्शण बिमारी सुआ भोइ कइ पता लाल रंगे गेउंठ एन्तु। **ईलाज:-** बिमारी षुरु भुणे पेह्ले पेनसिलिन दुवाईं थोड़ा मदथ कइ सकति। बिमार सुआ भोइ घयेल त गौड़े मर घेन्ते। कर्शण बिमार जुओइ कोइ बढ़िया दुवाईं नेई। एसे इलाज सिर्फ टिका असा । जेठ ए बिमारी असि तेठि *"क्लोस्टरिड्डइम हिमोलइटिकम"* टिके बइ सोब गोउड़े के कुछ साल तकर ईलाज करुं एन्ता त सोभ गेउर बच घेन्ते। दो कि बोक इ असि कि कर्शण बिमारी टिका भारत देश अन्तर मिलणे कोई जानकारी नेयि। इ टिका अमेरिका, केनडा त पश्चिमि देश अन्तर मेते। **कर्शण बिमारी टिका किं मेईं सक्ति?** पेह्ले कर्शण बिमारी जुओइ मरो कुछ गेउरु के काजा परिक्षण करुं एन्ता।(भारतीय पशुपालन खोज संस्थान, पालमपुर, इस परिक्षा कर सक्ति) तढ़े पता, तस रिपोर्ट जुओइ हिमाचल राज्य सरकार कर्शण बिमारी टिका जुगाड़ कइ सक्ति। तोउँ, से टिका पुरे पांगेई गेउरु जे (बिमार त बढ़िए गेउर) कुछ साल तकर दें एन्ता। ए यक रोजे कम न भिन्त, पर अस सोब इस बारे कोशिश करीं एन्ति। से बोते न जी, "ईलाज केआं त परहेज बढ़िआ भुन्ता ।

कर्शण बिमारी परहेज:- 1. कर्शणे बिमार गेउरु बेहर ना छाड़े । जपल तकर गेउरु सुसुर न भोल या मर न घेएल तौं तकर तस अन्तरे घास, पोण खिलाण दे। क्यों कि कर्शण बिमारी गेउर बेहर घुमणे टेम मुटते त मल छते । तपल तठि घास त पोण जुओइ कर्शण बिमारी लोलुड्डु लग घेन्ते। तढ़े पता बढ़िया गेउर तस घास खातें या पोण पिंते त कर्शण बिमारी एणे सम्भावना भुन्ति।

2. कर्शण बिमारी जुओइ जे गेउर मरो सा तस अढाइ हथ खोपर अन्तर पत छां। त से जगा सुआ सालि तकर न कढ़िं दें। कर्शण बिमारी बोलि मरो गेउर कदि बेहर न फटाण। क्यों कि तसे मासुं त हलोटे जुओइ कर्शण बिमारी लोलुड़ पोण जुओइ मी कयि तठिएंकण घास खराब कइ सक्ति।

कर्शण बिमारी गौड़े मल त गेउंठ अलग बाल्टि बइ भीं कीढ़ कइ अढाइ हथ खोपर अन्तर पत छां। से मल त बढ़िआ गेउर के मल कदि न मिआं त बग या बुटे जे ना छां। क्यों कि मल अन्तर कर्शण बिमारी लोलुड़ पुरा बग त चारा जुओइ लग घेन्तु । तढ़िआ पता से घास खाई कइ बढ़िआ गेउर बि इ बिमारी एइ घेंति। Cattle Producer's Library, Animal Health Section; David P. Olson, Professor and Pathologist, University of Idaho

जनवरि मेहने कुछ खास खबर

- करमापे मठ अन्तर मेइये सथ करोड़ रुपेई। जेन्हि अन्तर चोबि देशी के नोट असे। सपाई छानबिन करुं लगो से।
- देश बाठ वां २६ जनवरि (गणतंत्रता दिवस) धुम धाम जुओइ मना। राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा सिंह पाटिल मेहगांई त कालाधन पठ चिन्ता जतो सि।
- जनवरि मेहेन अन्तर हिमाचले पुठि क्श्त्र अन्तर डंग शिआ। त जन जीवन अस्त व्यस्त भुआ।

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES CORNER

For Advertisement / Best wishes
please contact
9418429574; 9418431531; 9418721336; 9418411199

For Advertisement / Best wishes
please contact
9418429574; 9418431531; 9418721336; 9418411199